Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

परियोजना के भी 100 मजदूर लौटे, 500 अब भी काम पर डटे

वापसी

■झारखंड,बंगाण, यूपी,विहार व छत्तीसगढ़ गढ के 100 मजदूर घर रवाना

मजदूर सामाजिक दूरी व सेनेटाइजर,मास्क आदि पहन,कर रहे हैं नियमों का पालन

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट

पुरोला। कोरोना महामारी के भय से मोरी नैटवाड सतलुज जल विधुत परियोजना निमार्ण कार्य में लगे 100 मजदूर सोमवार को अपने–अपने प्रदेशों को चले गये हैं जबकि पांच सो से अधिक मजदूर अब भी सोशियल डिस्टेंस,सेनेटाइजर व मास्क पहन कर काम में डटे हैं। घर गये मजदूर बंगाल,छत्तीसगढ़, झारखंड यूपी व विहार प्रदेशों के विमिन्न गांव के हैं।

देश में कोरना महामारी का डर व असर से देश के बडे–बडे विभिन्न नगरों शहरों में रोजी रोटी को वर्षो से काम की तलाश में गये युवक हजारों की संख्या में घर वापस आ रहे हैं,पहाड की शांत वादियों में में भी अब कोरोना वैश्विक महामारी पैर पसारने लगा है जिसका असर व डर अब पहाड़ों में जारी विधुत परियोजनाओं के निमार्ण कार्य में लगे विभिन्न प्रदेशों के कामगारों में भी अब घर वापसी के असर दिख रहा है,हालांकि पांच सौ अधिक कामगार मजदूर ने स्व प्रदेश वापसी लेकर इंनकॉर कर अब भी परियोजना निमार्ण कार्य में जुटे हैं।

मोरी में टौंस नदी पर निमार्णाधीन मोरी–नैटवाड 60 मेघावाट जल विधुत परियोजना निमार्ण कार्य में वर्तमान में झारखंड, छत्तीसगढ़,बंगाल,यूपी व विहार आदि विभिन्न राज्यों के 600 से अधिक मजदूर कार्य रत हैं किंतु कोरोना महामारी का भय के चलते प्रबंधन के समझानें के वावजूद भी सोमवार को 100 मजदूर अपने अपनें राज्य वापस चले गये जबकि पांच सौ से अधिक कामगार ने घर वापसी से इनंकार कर किया।

परियोजना निमार्ण जेपी कंपनी महा प्रबंधक डा0 केके सती ने बताया कि लाकडाउन अवथी में भी मजदूरों को हर प्रकार की सुविधा दी जा रही है, खाने व रहने की पूरी वयसथा कंपनी कर रही है।समय पर भुगतान किया जा रहा है। मेडिकल,जांज,सेनेटाइजर व मास्क सोशियल डिस्टेंस का पूरा पालन कर मजदूर काम कर रहे हैं, काफी समझांने के बाद भी विहार व छत्तीसगढ़,बंगाल,यूपी,व. झारखंड के 100 मजदूरों ने घर में गैंहूं फसल काटने व घर की समस्याओं की बात कह कर अपने घरों को गये हैं, पांच सौ मजदूर अब भी परियोजना काम में लगे हैं।

न्यूज डायरी

जिले में शुरू हुए 1934 निर्माण कार्य

संवाददाता पिथौरागढ। जिले में विकास कार्यो को को बढावा देने के लिए लिा प्रशासन सक्रिय हो गया है। वही विकास कार्य शुरू हो जाने से स्थानीय स्तर पर लोगों को रोजगार मिलने की पूरी संभावना है। जिले में लाकडाउन के चलते जिले के तमाम विकास कार्य ठप पड गये थे। वही बता दें कि जिलेमें सडक व पेयजल योजनाओं सहित दलाके में छोटे छोटे विकास कार्य बंद हो जान से मजदूर व ठेकेदार रोजगार पाने के लिए मजबूर हो चुके थे। वही रोजी रोटी के लिए परेशान हो रहे लोगों को जिला प्रशासन ने विकास कार्य शुरू कराकर राहत सौपी है। जिले में 1934 निर्माण कार्यो को हरी झंडी मिल चुकी है।

70 वर्षीय बुजुर्ग महिला ने वृद्वावस्था पेंशन पीएम केयर्स में दान की

संवाददाता पिथौरागढ। जिले के वडडा कस्बे के निकट लेलू गांव की रहने वाली 70 वर्षीय वृद्वा महिला ने अपनी चालीस हजार रूपये की पेंशन पीएम केयर्स में दान की है। देर सांय जिले की वडडा कस्बे की भारतीय स्टेट बैक की शाखा से उक्त धनराशि पीएम केयर्स में भेजी गई। वही सरू देवी ने कहा कि संकट काल में हमारा पूरा देश कोरोना महामारी से लड़ रहा है। वही बता दें कि वृद्वा के सहयोग की इलाके के ग्रमीणों ने सराहना की है।

बाहरी राज्यों से आने वाले प्रवासियों को क्षेत्र में न भेजने की मांग

संवाददाता पुरोला। पहाड़ी ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना महामारी के पांव पसारने से जंहा ग्रामीणों में दहशत का माहौल है वंही क्षेत्र के जनप्रतिनिधि बाहरी जनपदों व राज्यों से आ रहे प्रवासियों को देहरादून में ही क्वारेंटिंन में रखने की मांग कर रहे हैं। इसी मांग को लेकर गत दिवस को पुरोला क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने उपजिलाधिकारी मनीष कुमार के माध्यम से जिलाधिकारी व मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित कर बाहरी राज्यों से आ रहे प्रवासियों को गांवों में भेजने पर नाराजगी जाहिर करते हुए सरकार से बाहरी राज्यों से आने वाले प्रवासियों को देहरादून में ही क्वारेंटिंन करने की व्यवस्था बनाने की गुहार लगाई है। ज्ञापन में जनप्रतिनिधियों ने सरकार पर प्रवासियों को बिना किसी ठोस चिकित्सा जांच के गांवों में भेजने की लापरवाही करने पर नाराजगी जाहिर की और पहाड़ी क्षेत्रों को इस महामारी से सुरक्षित रखने के लिए प्रवासियों को देहरादून या अन्यत्र क्वारेंटिंन करने की गुहार लगाई। ज्ञापन देने वालों में सतेंद्र राणा, पूर्व प्रधान राजपाल पंवार,बलदेव रावत,राजेन्द्र शर्मा, अरविंद पंवार,अंकित रावत,दयाराम नेगी आदि थे।

थाली बजाकर किया केन्द्र व राज्य सरकार के श्रम कानूनों में परिवर्तन का विरोध

संवाददाता देहरादून। कांग्रेस नेत्री व उत्तराखण्ड़ कामगार महासंघ की अध्यक्ष आशा मनोरमा डोबरियाल शर्मा ने केन्द्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा श्रम कानूनों में परिवर्तन किये जाने का विरोध थाली बजाकर किया। नरदेव शास्त्री मार्ग पर अपने कार्यालय में उत्तराखंड कामगार महासंघ की अध्यक्ष आशा मनोरमा डोबरियाल शर्मा साकेंतिक धरना व उपवास करते हुए खाली थाली करछी बजाकर गरीब मजदूरों की खाली पेट की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि कामगारों की थाली खाली हो रही है। लॉकडॉन की आड़ में केन्द्र व राज्य सरकारें द्वारा श्रम कानून में लगातार श्रमिक विरोधी परिवर्तन किये जा रहे हैं जिससे रोजगार के क्षेत्र में निजी व सरकारी क्षेत्र में कार्यरत कामगारों के सामने आर्थिक, सामाजिक व रोजगार की सुरक्षा का संकट खड़ा हो गया है, देश की अर्थ व्यवस्था पहले से ही गम्भीर संकट से गुजर रही है। केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा लॉकडाउन की आड़ में किये गये श्रम कानून में बदलाव जिसमें मजदूरों के काम को आठ घंटो से बढ़ाकर बारह घंटे किया जाना, उसे तुरंत वापस लिया जाये।

पुश्तैनी कारोबार छोड़ घर चलाने को बेच रहे सब्जी व फल

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट

फड़ खोखा चलाने वाले दुकानदार हुए धंधा बदलने को मजबूर

पिथौरागढ़। जिले में कोरोना वायरस महामारी के चलते जारी लाकडाउन के बीच लोगों को रोजगार के लिए तरसना पड़ रहा है। रोजगार चौपट पडने की वजह से जिले में छोटे दुकानदारों को अपना धंधा बदलने को मजबूर होना पड़ रहा है।

बता दें कि जिले में काफी तादात में ऐसे फड़ खोखा चलाने वाले दुकानदार भी है। वही घर का खर्च चलाने के लिए पुश्तैनी कारोबार छोडकर सब्जी व फल बेचने को मजबूर होना पड़ रहा है। देशव्यापी लाकडाउन के चलते इन लोगों के सामने अपने परिवार का भरण पोषण करने के लिए मुश्किल घड़ी में हिम्मत न हारते हुए आवश्यकता अनुसार रोजगार चुनकर अपनी आर्थिक स्थिति को बरकरार रखना पड़ रहा है। लाकडाउन का चौथा चरण शुरू हो चुका है। ऐसे समय में इनके सामने अपने परिवार के लिए दो जून रोजी रोटी के भरण पोषण को पूरा करने के लिए दिन रात एक करने को मजबूर होना पड रहा है। जिले में लाकडाउन के चलते लागों की आवश्कताओं को देखते हुए ये छोटे दुकानदार फल व सब्जी बेच रहे है। ताकि इनके घरों में पैसों की आमद बनी रहे। लाकडाउन के चलते इन लोगों के समक्ष अपने अपने परिवार को लेकर भरण पोषण करने की पूरी जिम्मेदारी खुद के उपर निर्भर है। वही ये लोग अपनी अपनी दुकानों में आने वाले लोगों को शारिरिक दूरी का पालन भी कराते नजर आ रहे है।

वही देशव्यापी लाकडाउन के बीच इनके द्वारा जिले में सुबह 7बजे से शाम के 4 बजे तक लाकडाउन के नियमों का पालन करने के साथ सब्जी व फल बेच रहे है। नगर के टकाना रोड में गिफट सेंटर की दुकान चलाने वाले अशरफ का कहना है कि वे किराये के मकान में रहते है और उनके परिवार में पांच लोग है। अब वह अपने परिवार के सामने मंडरा रहे आर्थिक संकट को देखते हुंए सब्जी बेच रहे है।और अपना घर का खर्चा अब लाकडाउन चलने तक इसी से पूरा करेगे।

लॉकडाउन का फायदा उठा सड़क किनारे अवैध कब्जा

संवाददाता पुरोला। पुरोला तहसील से महज 5 सौ मीटर दूर पुरोला नौगांव मोटर मार्ग में सृष्टि पेट्रोल पंप के निकट सड़क किनारे अवैध दुकाने लॉकडाउन में ही बन कर तैयार हो गयी जबकि प्रशासन व लोकनिर्माण विभाग बेखबर बना है। आखिर कैसे और किसकी यह दुकाने सड़क के किनारे लोकनिर्माण विभाग की आंखों के सामने प्रशासन के नाक के नीचे बनाई जा रही हैं इसको लेकर सब बेखबर हैं। मामले की जानकारी मिलने पर पूछताछ की गई तो दुकाने किसकी हैं यह पता नही चल पाया लेकिन पेट्रोल पम्प के सामने निर्माणकार्य हो रहा है इसका किसी को पता न हो लोक निर्माण विभाग व स्थानीय प्रशासन पर प्रश्न चिन्ह लगना लाजमी है। वंही लोक निर्माण के अधिशासी अभियंता धीरेन्द्र कुमार से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मेरे संज्ञान में कल ही यह मामला आया है सहायक अभियंता को मौके पर जाकर सड़क किनारे हो रहे अति क्रमण को देख रिपोर्ट तैयार करने को कहा गया है उसके बाद हीआगे की कार्यवाही की जाएगी।